महत्वपूर्ण एवं खास

लाखों रुपए के जेवर लेकर ज्वेलर्स फरार

रायपुर (आरएनएस)। लाखों रुपए का जेवर खरीदकर रकम भुगतान नहीं करने और दुकान बंद कर भागने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज कर जांच में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रियदर्शनी नगर निवासी प्रार्थी संजय कुमार जैन 45 का सदर बाजार में एएस ज्वेलर्स एवं मिनाक्षी ज्वेलर्स नाम से दुकान है। बताया जाता है कि आरोपी घनश्याम सोनी कांटाभांजी बलांगीर उड़िसा में लक्ष्मी ज्वेलर्स नाम से दुकान चलाता है। आरोपी ने प्रार्थी के दुकान से 63 लाख 63 हजार 23 रुपए का सोने के जेवर खरीदकर रकम का भुगतान नहीं किया। जब प्रार्थी उड़िसा जाकर पता किया, तो आरोपी अपना दुकान बंद कर फरार हो गया। जिसके बाद प्रार्थी ने इसकी शिकायत कोतवाली थाना में की। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

गौठान में काम कर रहे कर्मचारी को दी धमकी

रायपुर (आरएनएस)। गौठान में तैनात कर्मचारियों से गाली-गलौज कर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम जोन 9 के कर्मचारी प्रार्थी विजय शर्मा 47 वर्ष अपने अन्य साथियों के साथ ग्राम फुण्डहर स्थित गौठान में काम कर रहे थे। तभी आरोपी विक्रांत शर्मा, विजेन्द्र माहेश्वरी व अन्य आए और प्रार्थी व अन्य कर्मचारी हिमांशु नागरची, देवेन्द्र को काम करने नहीं देंगे कहते हुए गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 447, 186, 294, 506, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मजदूरी का पैसा मांगने पर महिला को पीटा

रायपुर (आरएनएस)। तेलीबांधा ओव्हब्रीज स्थित नर्सरी में मजदूरी का पैसा मांगने पर दो लोगों ने महिला से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थिया की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार विशाल नगर तेलीबांधा निवासी प्रार्थिया सुमन दुबे 30 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि वह ओव्हरब्रीज स्थित नर्सरी में गार्ड की ड्यूटी करती है। वह अपनी मजदूरी का पैसा लेने आरोपी रजनीश तिवारी व गायत्री शुक्ला के पास गई थी। तभी आरोपियों ने प्रार्थिया से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थिया की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

बदमाश ने सिपाही से मारपीट कर फाड़ी वर्दी

कोरबा (आरएनएस)। दीपका में 112 की टीम इवेंट मिलने पर बताए गए लोकेशन पर पहुंची तो मारपीट कर रहे बदमाश ने गाली-गलौच कर धमकी देते हुए सिपाही से मारपीट कर उसकी वर्दी फाड़ दी। मामले में पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज कर लिया है। दीपका थाना अंतर्गत शांतिनगर में शराब दुकान के पीछे शुक्रवार की शाम दो पक्षों में मारपीट हो रही थी। मुख्यालय से इवेंट मिलने पर दीपका से 112 की टीम मौके पर पहुंची। जिसमें सिपाही भूपेन्द्र सिंह कंवर और चालक योगेश मरकाम थे। वहां पहुंचने पर जमीन विवाद पर सूचनाकर्ता सुधीर कुमार चौधरी से उसका भाई उदय चौधरी विवाद करते हुए मारपीट कर रहा था। टीम ने उदय चौधरी से पूछताछ की तो वीडियो बनाने लगा। साथ में मुक्का मारते हुए वर्दी फाड़ दी।

कृषि प्रदर्शनी में मुख्य आकर्षण बनी ड्रोन से खाद तथा दवाईयों के छिड़काव की तकनीक

❐ प्रतिदिन 500 से अधिक कृषक हो रहे किसान पाठशाला में सम्मिलित

रायपुर । इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय ''एग्री कार्नीवाल 2022 अन्तर्राष्ट्रीय कृषि मड़ई'' के दौरान 14 से 17 अक्टूबर, 2022 तक फार्मटेक एशिया अन्तर्राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी एवं कृषक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आधुनिक कृषि की नवीनतम प्राद्यौगिकी, नवाचारों एवं कृषकोपयोगी उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण ड्रोन तकनीक से घुलनशील खाद, कीटनाशक एवं फफूंदनाशक छिड़काव का जीवंत प्रदर्शन है जिसकी कृषकों द्वारा बहुत सराहना की जा रही है। कृषि प्रदर्शनी एवं कृषक सम्मेलन में किसान पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रति दिन लगभग 500 से अधिक किसानों की समस्याओं का समाधान वैज्ञानिकों द्वारा किया जा रहा है तथा पाठशाला के दौरान कृषकों को कृषि की आधुनिक प्रौद्योगिकी, तकनीकों, कृषि यंत्रों, उन्नत बीजों, खाद, उर्वरक, कृषि से संबंधित अन्य विषयों का एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी प्रदान की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि लगभग 15 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में आयोजित इस प्रदर्शनी में देश भर की 130 से अधिक कृषि उत्पाद एवं कृषि यंत्र निर्मित करने वाली कम्पनियों के स्टॉल लगाए गये हैं। प्रदर्शनी के माध्यम से छत्तीसगढ़ के किसान भाई खेती किसानी की आधुनिकतम तकनीकों एवं उत्पादों से रूबरू हो रह हैं। प्रदर्शनी में कृषि वैज्ञानिक, कृषि सलाहकार तथा व्यापारी वर्ग भी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। प्रदर्शनी के दौरान किसानों एवं आम जनता को कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि अभियांत्रिकी तथा अन्य विभागों से संबंधित कृषक कल्याण योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी जा रही है। प्रदर्शनी में उद्यानिकी फसलों की उन्नत खेती, पौध उत्पादन एवं संरक्षित खेती, जैविक कृषि, कम लागत में उत्तम खेती की विधि का प्रदर्शन किया गया है। मड़ई में नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी, कृषि उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय भी किया जा रहा है, जिनमें विकसित फर्म उपकरण एवं उन्नत कृषि यंत्र, उन्नत सिंचाई प्रणाली (ड्रिप एवं स्प्रिंकलर), उन्नत बीज, उर्वरक एवं कीट नाशक, जैव उर्वरक एवं रसायन, संरक्षित खेती के उपकरण, सौर पम्प तथा अन्य उपयोगी कृषि उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा लगाये प्रदर्शनी जिसमें फसल विविधिकरण का जीवंत प्रदर्शन किया गया है, उसे कृषकों द्वारा सराहा जा रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय कृषि मड़ई में कृषक भ्रमण कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान कृषकों को प्रतिदिन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रक्षेत्रों, सुनियोजित कृषि विकास केन्द्र एवं प्रयोगशालाओं का भ्रमण करवाया जा रहा है, इस दौरान कृषकों द्वारा सुनियोजित कृषि विकास केन्द्र प्रक्षेत्र में लगे अमरूद की अतिसघन बागवानी व इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित छत्तीसगढ़ रसभरी-1 की प्रथम किस्म का जीवंत प्रदर्शन का अवलोकन कर लाभन्वित हो रहे हैं।

नक्सलियों ने जनअदालत लगाकर कर दी दो ग्रामीणों हत्या

बीजापुर (आरएनएस)। जिले के पेद्दाकोरमा के जंगल में नक्सलियों ने तथाकथित जनअदालत लगाकर मुखबिरी के आरोप में 02 ग्रामीणों राजू मोडियम और दूला कोडमे निवासी पेद्दाकोरमा और पूसनार की हत्या उनकी पत्नि के सामने गला घोंटकर करने की पक्की सूचना स्थानिय ग्रामीणों से मिली है। नक्सलियों के दहशत का आलम ऐसा है कि मृतकों के परिजन इसकी सूचना पुलीस को नही दे रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों ग्रामीण युवक शादी शुदा है, और इनके बच्चे भी है, जब नक्सलियों ने दोनो ग्रामीणों को तथाकथित जनअदालत में मौत का फरमान सुनाया, उस वक्त इनकी पत्नियां भी वहां मौजूद रही। पत्नियों ने मार्मिक अपील नक्सलियों से किया और पतियों को छोड़ने कहा लेकिन नक्सलियों का दिल नहीं पसीजा और रस्सी से गला घोंट कर हत्या कर दी गई। बीजापुर थाना क्षेत्र के पेददाकोरमा निवासी राजू मोडियम और बोडला पूसनार निवासी दुला कोड़मे हत्या से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।

यह सर्व विदित है कि नक्सली अपने दहशत और भय के साम्राज्य को बनाये रखने के लिए तथाकथित जनअदालत में ग्रामीणों के सामने ग्रामीणों की हत्या कर देते हैं। इन दिनों नक्सलियों का दायरा सिमटता जा रहा है, कैपों के स्थापना के साथ ही ग्रामीण भी नक्सलियों का साथ छोड़ने लगे हैं, जिसकी बौखहलाहट में नक्सली अपने आधार क्षेत्र में किसी पर भी मुखबीरी का आरोप लगाकर ग्रामीणों की हत्या करने का अनवरत सिलसिला जारी है। यह नक्सलियों के वजूद को बनाये रखने के लिए सोची-समझी रणनीति का अहम हिस्सा है।

बीजापुर एसपी आंजनेय वार्ष्णेय का कहना है कि जनअदालत में ग्रामीणों की हत्या के बारे में सूचना मिली है, इसकी तस्दीक की जा रही है। अब तक परिजन शिकायत दर्ज कराने पुलिस तक नहीं पहुंचे हैं।

तोयनार-मोरमेड़ मार्ग पर पेरमापारा के पास 3 किग्रा का आईईडी बरामद

बीजापुर जिले के थाना तोयनार से डीआरजी और छसबल 19/सी के जवान सर्चिंग के लिए ग्राम मोरमेड़ की ओर रवाना हुई थी, अभियान के दौरान आज दोपहर 12 बजे तोयनार-मोरमेड़ मार्ग पर तोयनार से आगे पेरमापारा के पास कच्ची मार्ग पर 03 किग्रा का आईईडी सुरक्षा बलों द्वारा बरामद किया गया। नक्सलियों द्वारा आईईडी कमाण्ड सिस्टम से लगाया गया था, जिसे बीडीएस बीजापुर की टीम द्वारा मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया है।

केवाईसी अपडेट के बहाने युवक के खाते से 61 हजार

रायपुर (आरएनएस)। अज्ञात मोबाइल धारक ने केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर अधेड़ के क्रेडिट कार्ड से 61 हजार रुपए आहरण कर लिया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार वीर सावरकर नगर हीरापुर निवासी प्रार्थी जीतेन्द्र कुमार बघेल 44 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि उसके पास अज्ञात मोबाइल नंबर क्रमांक 93822-44098 से कॉल आया था। उक्त व्यक्ति ने खुद को बैंक कर्मचारी बताकर प्रार्थी से कहा कि तुम्हारे क्रेडिट कार्ड का केवाइसी अपडेट करना है। जिससे प्रार्थी उसके झांसे में आ गया। आरोपी ने प्रार्थी को क्रेडिट कार्ड का नंबर पूछकर ओटीपी बताने को कहा। जिससे प्रार्थी ने ओटीपी बताया, तो अज्ञात व्यक्ति ने उसके क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन 61 हजार रुपए आहरण कर लिया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

नक्सलियों ने तेलंगाना डीजीपी के बयान का खंडन करते हुए जारी किया प्रेस विज्ञप्ति

जगदलपुर (आरएनएस)। नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता अभय ने तेलंगाना डीजीपी के बयान का खंडन करते हुए प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि स्वास्थ्य कारण से एक कार्यकर्ता के आत्मासमर्पण के दौरान तेलंगाना के डीजीपी मौके का फायदा उठाते हुये कहते है कि नक्सलियों की विचारधारा, नेतृत्व और कैडर समाप्त हो चुकी है, नक्सली संगठन स्वयं नष्ट हो जायेगी, उसको नष्ट करने के लिये बाहरी ताकत की कोई जरूरत नही है। नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी तेलंगाना के डीजीपी के समक्ष एक सवाल रखती है कि, यदि यह सत्य है, तो फिर क्यों केंद्र और राज्य सरकार करोडो-करोड़ रूपये खर्च से सैनिकीकरण के लिये, और नक्सलवाद को खत्म करने के लिये योजना लागू कर रही है? उन्होने कहा कि जब एक पत्रकार यह सवाल उठाता है की, आखिर क्यों नक्सली बार-बार अपनी शक्ति प्रकट कर रहा है, तो, डीजीपी के पास कोई जवाब नही है।

प्रेस नोट में आगे कहा गया है कि नक्सलबाडी सशस्त्र क्रांतिकारी आंदोलन के विरासत को साढ़े पांच दशको से आगे लेकर चल रही है। केंद्र नेतृत्व कामरेड्स जो क्रांतिकारी आंदोलन में नक्सलबाडी के समय से जुड़े है, वो आज बुजुर्ग होते जा रहे है, कई स्वास्थ्य समस्या भी है। परंतु एक क्रांतिकारी कभी उपनी दिमाग और विचार से बुजुर्ग नही होता। और इसका गवहा विश्व के कम्युनिस्ट आंदोलन के इतिहास स्वयं है। पार्टी दूसरे श्रेणी के कार्यकर्ता को विकसित कर रही है।

दीपावली के लिए बाजार सजे, व्यस्ततम मार्गों में लग रहा जाम

रायपुर (आरएनएस)। दीपावली में अब चंद दिन ही शेष रह गये हैं। शनिवार से शुरू हो रही दीपावली के लिए न केवल राजधानी अपितु आसपास के जिलों से भी लोग बड़ी खरीददारी के लिए सुबह से देर रात तक बाजार में देखे जा रहे हैं। शहर के सबसे व्यवस्ततम मार्गे मालवीय रोड, सदर बाजार, गोलबाजार, एमजी रोड, रामसागर पारा एवं विभिन्न माल्स में खरीददारी के चलते शहर में अनेक बार जाम की स्थिति होने से यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। वहीं पुरानी बस्ती लाखेनगर, बूढ़ापारा, अश्वनी नगर से महादेवघाट की ओर जाने वाले मार्ग में रास्ते में पडऩे वाली सभी दुकानों में कपड़ा नये बर्तन, हार्डवेयर, फर्नीचर मोबाइल शाप एवं अन्य सामाग्री खरीदी के लिए व्यापारियों द्वारा विशेष छूट दी जा रही है जिसका लाभ उठाने के लिए सुबह 9 बजे से रात दस बजे के बीच दोपहिया एवं चौपहिया वाहनों का आवागमन तकलीफदेह बन गया है वहीं सदर सराफा में एटी की नई दुकान खुलने के साथ ही सराफा व्यापारियों यथा तिलोकचंद बड़रिया, गौतम गोलछा एवं अन्य व्यापारियों के अनुसार इस वर्ष कोरोना का असर कम होने के कारण धनतेरस के दिन रिकार्ड तोड़ आभूषणों की बिक्री होने की संभावना है।

दीपावली के अवसर पर जहां मिठाईयों की नईरेंज मिठाई दुकानों में पांच सौ रुपये किलो से लेकर 15 सौ रुपये किलो तक उपलब्ध करायी गई है वहीं शहर में अब दीपावली के अवसर पर ड्राइफ्रुट्स के सप्रेम भेंट देने का चलन भी तेजी से रायपुर में देखा जा रहा है। नागपुर का मेवा वाला ड्रायफ्रूट इन दिनों शहर के पेट्रोल पंपों में विभिन्न रेंज में आकर्षक डब्बों में उपलब्ध करा रहा है।

सहकारी बैंक के कर्मचारी को नहीं मिला वेतन की वृद्धि का लाभ

कोरबा (आरएनएस)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बिलासपुर मुख्यालय के अंतर्गत 56 बैंक शाखाओं में पांच लाख ग्राहकों को बैंकिंग सेवा से संतुष्ट कर रहे 515 कर्मी स्वयं अपने आर्थिक नुकसान से हो रहे परेशान।

धन की कमी के कारण जब किसी व्यवसाय को मूर्त रूप देने में बाधा आती है तब लोगों को बैंक की आवश्यकत होती है। लोगों कोइस बात का भरोसा होता है कि कहीं और से मिले न मिले पर बैंक जाने पर हमें रकम मिल ही जाएगी। पर इसे विडंबना ही कहेंगे कि सब के लिए धन की जुगत करने लगातार जुटे रहने वाले बैंककर्मी ही इंक्रीमेंट से वंचित किए जा रहे हैं। मामला सहकारी केंद्रीय बैंक की है, जहां के कर्मियों को इस वर्ष जुलाई से मिलने वाली वेतन वृद्धि का लाभ अब तक नहीं दिया गया है। जिले की बात करें तो जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बिलासपुर मुख्यालय के अधीन पुराना बस स्टैंड स्थित प्रधान शाखा समेत कुल सात बैंक संचालित हैं। इनकी लोन शाखाओं में जिला सहकारी बैंक बरपाली, कटघोरा, मुख्य शाखा कोरबा, पोड़ी.उपरोड़ा और पाली शामिल हैं। इनके अलावा दो डिपाजिट शाखाएं बाल्को और दर्री.जमनीपाली में संचालित हैं। इन बैंक शाखाओं में कार्यरत कर्मियों को इस वर्ष जुलाई में मिलने वाला इंक्रीमेंट नहीं मिला है। यानि वेतन वृद्धि का लाभ उन्हें अब तक नहीं दिया गया हैए जिससे उन्हें न केवल आर्थिक हानि हो रहीए अपने हक से वंचित होने के कारण चिंतित कर्मियों को मानसिक रूप से भी परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बिलासपुर मुख्यालय के अंतर्गत बिलासपुर के अलावा मुंगेली, जांजगीर-चांपा व कोरबा जिले की शाखाओं को शामिल किया गया है। बैंक के आंकड़ों पर नजर डालें तो पांच लाख से अधिक केवल किसान ग्राहक हैं, जो प्रतिवर्ष खेती किसानी के मौसम में कृषि ऋण लेकर खेती बाड़ी करते हैं। कृषि कार्य में किसानों को ऋण व नगद राशि के अलावा खाद.बीज की मदद तो दी ही जाती है। किसानों के अतिरिक्त सामान्य वर्ग के ग्राहकों को भी लेन.देन व बचत योजनाओं का लाभ यहां मिलता है। जुलाई से वेतन वृद्धि न मिलने के साथ.-साथ सहकारी बैंक के कर्मियों को मार्च 2022 से अब तक महंगाई भत्ता डीए का लाभ नहीं मिल रहा है। इस तरह बीते आठ माह से कर्मचारी अपने डीएम की सुविधा से भी वंचित हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुछ सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के द्वारा सामाजिक न्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् उन पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित शिविर कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

विधानसभा उपाध्यक्ष भानुप्रतापपुर के विधायक मनोज मंडावी का निधन

❐ गृहग्राम नथिया नवागांव में आज उनका अंतिम संस्कार किया जायेगा

कांकेर (आरएनएस)। विधानसभा उपाध्यक्ष और भानुप्रतापपुर के विधायक मनोज मंडावी का निधन हो आज सुबह हो गया, बीती रात बेचैनी और सीने में तकलीफ के बाद मनोज मंडावी के गृहग्राम नथिया नवागांव जिला कांकेर स्थित उनके निज निवास में आज उन्हें तडक़े हृदयाघात हुआ। जिसके तत्काल बाद उन्हें धमतरी के अस्पताल लाया गया। यहां पर परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। आज सुबह 09 बजे उनके पार्थिव देह को गृहग्राम ले जाया गया जहां आज उनका अंतिम संस्कार किया जायेगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा उपाध्यक्ष और भानुप्रतापपुर के विधायक मनोज मंडावी हार्ट से संबंधित परेशानियों से जूझ रहे थे। इसके इलाज के लिए कल चेन्नई जाने वाले थे। लेकिन जाने से पहले ही आज सुबह उनकी तबियत बिगड़ी और अस्पताल ले जाने की तैयारी की जा रही थी। पर अस्पताल पहुंचने से पहले मनोज मांडवी की सांसे थम गई। फिर धमतरी के निजी अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राज्य निर्माण के बाद अजीत जोगी के शासन में पीडब्ल्यूडी और नगरीय प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी संभाला था। मनोज मंडावी 03 बार के विधायक थे, वर्ष 2018 विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के प्रत्याशी देवलाल दुग्गा को 27 वोट से पराजित कर चुनाव जीता था। अपने क्षेत्र में विधायक मनोज सिंह मंडावी का काफी लोकप्रिय थे, यही वजह है कि भानुप्रतापपुर विधानसभा सीट से लगातार दूसरी बार मनोज सिंह मंडावी विधायक बने, उनके निधन के बाद से पूरे भानुप्रतापपुर में मातम छाया हुआ है।

मनोज मंडावी का राजनीतिक सफर- मनोज मंडावी का जन्म 14 नवंबर 1964 को एक साधारण परिवार में हुआ था। राजनीतिक जीवन की शुरुआत 90 के दशक में युवा कांग्रेस में सक्रिय थे। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष थे, 1998 में वे पहली बार वे म.प्र. विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। वर्ष 1998-2000 सदस्य- एस.सी., एस.टी., परिवहन, आदिवासी मंत्रणा समिति मध्यप्रदेश शासन बने। वर्ष 2000 में राज्यमंत्री गृह, जेल, परिवहन, लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन, विधि विधायी, आवास, विमानन-अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद बने। वर्ष 2013 में दूसरी बार छत्तीसगढ़ विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। वर्ष 2018 में तीसरी बार मनोज मंडावी ने 26693 वोटों से जीत दर्ज की थी। वर्ष 2019 से उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधान सभा बने।